7 राज्य • 1 केंद्रशासित प्रदेश • 19 संस्करण : उत्तर प्रदेश : उत्तराखंड : हिमाचल : जम्मू-कश्मीर : दिल्ली : हरियाणा : पंजाब : चंडीगढ़

अमर उजाला

बरेली
बृहस्पतिवार, 9 फरवरी 2017

amarujala.com

मानक पूरे न हुए तो कम होंगी 25 फीसदी सीटें

बरेली। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर विनय पाठक का मानना है कि इंजीनियरिंग कॉलेजों में मानकों का कोरम पूरा नहीं किया जाता है। ऐसे कॉलेजों का मूल्यांकन कराया जाएगा और मानक न पूरे करने वाले कॉलेजों की 25 फीसदी सीटों में कटौती की जाएगी। इसके बावजूद कॉलेजों में स्थिति नहीं सुधरी तो उनकी संबद्धता भी समाप्त कर दी जाएगी। साथ ही छात्रों का पूरा प्रोफाइल आधार नंबर से लिंक होगा। इस बार होने वाली प्रवेश परीक्षा के आवेदन में भी आधार नंबर अनिवार्य होगा। वह बुधवार को श्री राममूर्ति स्मारक कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नालॉजी के दीक्षांत समारोह में शामिल होने आए थे। उन्होंने बताया कि कॉलेजों में पढ़ाई का स्तर सुधारने के लिए टॉपर्स की सूची बनाते समय आंतरिक परीक्षाओं और मुख्य परीक्षाओं के अंकों की तुलना कराई जाएगी। अगर आंतरिक परीक्षाओं में अच्छे अंक हैं और मुख्य परीक्षाओं में प्रदर्शन अच्छा नहीं है तो टॉपर्स का निर्धारण मुख्य परीक्षाओं के अंकों से ही होगा। कुलपति प्रोफेसर विनय पाठक ने बताया कि कि एकेटीयू ने इस बार से डिजिटल मूल्यांकन शुरू कर दिया है।

प्रवेश परीक्षा के आवेदन के साथ आधार अनिवार्य

इस बार करीब 17 लाख कॉपियों का मूल्यांकन डिजिटल रूप से किया गया। छात्रों को जल्द डिजिटल लॉकर की सुविधा दी जाएगी। रिजल्ट जारी होने से दो दिन पहले कॉलेजों को रिजल्ट दिखाया जाएगा। अगर उनको आपत्ति है तो उसको जांच कराकर दुरुस्त किया जाएगा। छात्रों का पूरा प्रोफाइल आधार नंबर से लिंक किया जाएगा। परीक्षा के दौरान उपस्थिति का सत्यापन आधार नंबर से कराया जाएगा। इस बार से आयोजित प्रवेश परीक्षा के आवेदन में आधार नंबर अनिवार्य कर दिया गया है।

एसआरएमएस इंजीनियरिंग कॉलेज में बोले प्रो. विनय पाठक

एपीजे अब्दुल कलाम विश्वविद्यालय के कुलपति विनय पाठक।

भारतीय जरूरतों के हिसाब से डिजाइन करने होंगे कोर्स

बरेली। इंजीनियरिंग और एमबीए के प्रति लगातार रुझान कम होने पर प्रोफेसर विनय पाठक ने कहा कि प्रोफेशनल कोर्स करने के बाद छात्र बड़े सपने देखता है, लेकिन उस स्तर का रोजगार नहीं मिल पाता। शिक्षण संस्थानों को इन कोर्स को भारतीय जरूरतों के हिसाब से डिजाइन करना होगा। एमबीए किया हुआ छात्र जरूरी नहीं कि वह मल्टीनेशनल कंपनी में कार्य करे। वह एनजीओ में भी काम कर सकता है। ऐसे कोर्स डिजाइन करने होंगे जो भारतीय समाज की जरूरतों के हिसाब उपयोगी साबित हो सके।